अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान वर्ष : 2019 **दिनांक : 17-12-2019**

समय : 3 घंटा **चतुर्थ वर्ष–प्रथम प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

लघु दण्डक–30

प्र. 1 कोई चार द्वार लिखें– 24

(क) च्यवन द्वार

(ख) ज्योतिष देवों की स्थिति

(ग) समुद्घात द्वार

(घ) गति आगति द्वार–पृथ्वीकाय अपकाय से प्रारंभ करते हुए तीस अकर्म भूमि तक लिखें।

(ङ) उपयोग को परिभाषित करते हुए सात नारकी से प्रारंभ करते हुए अंत तक लिखें।

(च) अवगाहना द्वार-द्वीन्द्रिय की अवगाहना से प्रारंभ करते हुए अंत तक लिखे।

प्र. 2 कोई दो द्वार लिखें– 6

(क) कषाय द्वार (ख) ज्ञान द्वार

(ग) अज्ञान द्वार

पांच ज्ञान–30

प्र. 3 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 24

(क) मनःपर्यव ज्ञान के विषय क्षेत्रतः व कालतः का वर्णन करें।

(ख) संज्ञी श्रुत व असंज्ञी श्रुत के तीन प्रकारों को व्याख्या सहित लिखें।

(ग) अश्रुत निश्रित मतिज्ञान के प्रकारों से प्रारंभ करते हुए प्रतिबोधक दृष्टांत तक लिखें।

(घ) वर्धमान व हीयमान अवधिज्ञान का वर्णन करें।

(ङ) श्रुत के समुच्चय रूप से कितने प्रकार हैं, व्याख्या सहित लिखें तथा मति ज्ञान व श्रुत ज्ञान में भेद लिखें।

प्र. 4 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) लब्धि अक्षर किसे कहते हैं?

(ख) क्षायोपशमिक अवधिज्ञान किनके होता है?

(ग) गमिक श्रुत किसे कहते हैं? किस आगम में गमिक शैली का प्रयोग हुआ है?

(घ) प्रत्येक बुद्ध नियमतः जघन्य व उत्कृष्ट कितने श्रुत के ज्ञाता होते हैं?

(ङ) द्रव्य की दृष्टि से सब रूपी द्रव्यों को कौन सा अवधिज्ञानी जानता व देखता है?

(च) सागरोपम के आयुष्य वाले देव तिर्यक लोक में अवधिज्ञान के द्वारा कहां तक देखते हैं?

(छ) मनःपर्यव ज्ञान ऋद्धि प्राप्त के होता है, इसका क्या तात्पर्य है?

(ज) अपर्यवसित श्रुत–अन्त रहित। इससे आप क्या समझते हैं?

गीतिका–(गुणस्थान-दिग्दर्शन)–10

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षित उत्तर लिखें– 2

(क) वेदनीय कर्म के दो भेद कौन से हैं? उनकी स्थिति कितनी बताई गई है?

(ख) आठों कर्मों को जीव किन-किन गुणस्थानों में क्षीण करता है?

(ग) देश मोह व सर्व मोह का उपशम निष्पन्न भाव किन गुणस्थानों में होता है?

प्र. 6 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें– 8

(क) आयु कर्म.....मिलावै रे।

(ख) मोह तणी.....मझारो रे।

(ग) ज्ञानावरणीय.....बंधायो रे।

(घ) उपसम.....दबावै रे।

पूर्ण कंठस्थ ज्ञान–30

प्र. 7 सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य रूप से दें– 30

(क) **पच्चीस बोल**–अंक 21 का भांगा अथवा देवों के दण्डक। 3

(ख) **चतुर्भंगी**–उन्नीसवां बोल ***अथवा*** निर्जरा के 12 भेद। 3

(ग) **पच्चीस बोल की चर्चा**–बीसवां बोल ***अथवा*** जीव के भेद 8 से 13 तक। 3

(घ) **तत्त्व चर्चा**–विविध विषयों पर छह द्रव्य नौ तत्त्व ***अथवा*** पुण्य, धर्म आदि एक या दो। 3

(ङ) **जैन तत्त्व प्रवेश**–(प्रथम खण्ड) दृष्टांत द्वार–आश्रव की व्याख्या। ***अथवा*** सामान्य गुण के प्रकारों की व्याख्या। 3

(च) **कर्म प्रकृति**–दर्शन मोह कर्म की प्रकृतियों का कार्य व स्थिति ***अथवा*** मोहनीय कर्म की गुणस्थानों की अवस्थिति। 4

(छ) **बावन बोल**–उदय के तैतीस बोलों में कौन-कौन आत्मा? ***अथवा*** जीव पारिणामिक के दस भेद छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन? 3

(ज) **इक्कीस द्वार**–सम्यक् मिथ्या दृष्टि ***अथवा*** सूक्ष्म। 4

(झ) **जैन तत्त्व प्रवेश**–(द्वितीय व तृतीय खण्ड)–श्रावक गुण द्वार ***अथवा*** 4

शील आदरियो.....मांय।

चोर हिंसक.....रेश। पद्यों को पूरा करें।